BBYCT-133

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बीएससीजी)

(पादप पारिस्थितिकी एवं वर्गिकी)

1 जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक वैध

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

(2026)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्षिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसके के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।

3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 से.मी. जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।

5) इस सत्रीय कार्य को हल करें, और **संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**

6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।

हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

7) ह सत्रीय कार्य **01 जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर, 2026 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे दिसम्बर, 2026 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको 2027 का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्षिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।

8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे**।

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : BBYCT-133
सत्रीय कार्य कोड: BBYCT-133/TMA/2026
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों को करना अनिवार्य हैं। हर प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी *एक* पर सुनामांकित चित्रों की सहायता से विस्तार से चर्चा कीजिए : (10)

   (क) मिट्टी की रूपरेखा

   (ख) घास के मैदान में खाद्य वेब

2. (क) पादप वर्गिकी के उद्देश्यों को सूचीबद्ध कीजिए। प्राचीन भारत में पादप वर्गिकी का वर्णन कीजिए। (5)

   (ख) एक वर्गिकीय कुंजी की रचना और उपयोग का वर्णन कीजिए। कुंजियों के प्रकारों को सूचीबद्ध कीजिए और इनमें से प्रत्येक की कमियों और सीमाओं की चर्चा कीजिए। (5)

3. (क) उदाहरण देकर विवेचना कीजिए कि किसी प्रकार पादप रसायन विज्ञान से साक्ष्य पादप वर्गिकी की समस्या सुलझाने में सहायक हो सकते हैं। (5)

   (ख) वर्गिकीय पदानुक्रम की संकल्पना को समझाइए और विभिन्न श्रेणियों को उच्चतम से निम्नतम से व्यवस्थित कीजिए। (5)

4. (क) वर्गीकरण के प्रकारों की सूची बनाइए और इनमें से किसी एक की उसके लाभों और कमियों के साथ विवेचना कीजिए। (5)

   (ख) प्रजाति की संकल्पना को समझाइए। (5)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : $(4\times 2\frac{1}{2}=10)$

   (क) रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू

   (ख) मोनोग्राफ अथवा मैनुअल

   (ग) किनारे पर छिद्रित कार्ड

   (घ) वैज्ञानिक नाम और उनके लाभ

   (ङ) OTU (ऑपरेशनल टेक्सोनोमिक यूनिट)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का वर्णन स्वच्छ और सुनामांकित आरेखों की सहायता से कीजिए : (2×5=10)

   (क) हाइड्रोसियर/जलमंडल में अनुक्रमण के चरण

   (ख) कार्बन चक्र

(ग) किसी पारितंत्र/पारिस्थितिक तंत्र के घटक

(घ) सहनशीलता/सहिष्णुता की सीमा

7. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का विस्तृत विवरण दीजिए : (2×5=10)

(क) पारिस्थितिक पिरामिड

(ख) खाद्य शृंखलाएँ

(ग) वन पारिस्थितिक तन्त्र

8. सूर्यातपन को परिभाषित कीजिए। पृथ्वी के ऊष्मा बजट का संक्षिप्त विवरण दीजिए। सूर्यातपन को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध कीजिए। (2+5+3)

9. (क) द्विपद नाम पद्धति क्या है? इसके प्रमुख सिद्धान्तों को सूचीबद्ध कीजिए। (2+4)

(ख) बॉहीन और लोनियस के क्या प्रमुख योगदान हैं? (2+2)

10. (क) संख्यात्मक वर्गिकी के सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए। (5)

(ख) वर्गिकीय पदानुक्रम की संरचना के महत्त्वपूर्ण लक्षणों की विवेचना कीजिए। (5)